

चूक जाने का पाप क्या है?

पाप के बारे में प्रश्न

याकूब 4:17 घोषित करता है कि, "इसलिये जो कोई भलाई करना जानता है और नहीं करता, उसके लिये यह पाप है।" चूक जाने का पाप एक ऐसा पाप है, जो कुछ ऐसा नहीं करने के परिणाम से होता है, जिसके लिए परमेश्वर का वचन शिक्षा देता है कि हमें करना चाहिए। इसे सामान्य तौर पर इसी तरह के वाक्यांश "उल्लंघन का पाप" या ऐसी गतिविधियाँ जिन्हें एक व्यक्ति सक्रिय रूप से करता है, के विपरीत उपयोग किया जाता है। पौलुस रोमियों 7:14-20 में दो अवधारणाओं की तुलना करता है। वह दोनों प्रकार के पापों की ओर उसकी प्रवृत्ति का चुनाव करता है। वह वही करता है, जिसे वह नहीं करना चाहता और जानता है कि यह गलत है — उल्लंघन का पाप — और वह उसे नहीं करता, जिसे वह जानता है कि उसे करना चाहिए और वास्तव में करना चाहता है - चूक जाने का पाप। शरीर के साथ संघर्ष में नया स्वभाव यहाँ एक चित्र प्रस्तुत किया गया है, जिसमें यह वास करता है।

नए नियम में, यीशु के द्वारा दिया गया सुन्दर उदाहरण अच्छे सामरी का वृत्तान्त है। एक व्यक्ति को पीटा गया था और सहायता के लिए छोड़ दिया गया था, पहले दो पुरुष — एक याजक और लेवी उसे छोड़ कर चले जाते हैं, दोनों को अच्छी तरह से पता था - तथापि वे भलाई करने में असफल रहते हैं। तीसरा व्यक्ति, एक सामरी, आवश्यकता में पड़े हुए इस व्यक्ति को दया दिखाने के लिए रुक जाता है (लूका 10:30-37)। यीशु ने इस उदाहरण का

उपयोग इस शिक्षा को देने के लिए किया था कि हम भी आवश्यकता में पड़े हुए लोगों की सहायता करें। ऐसा करके, उसने स्पष्ट रूप से संचारित किया कि अच्छा करने से बचना पापमय है, ठीक वैसे ही जैसे बुराई का अनुसरण करना पापमयी होती है।

आगे मत्ती 25:31-46 में यीशु चूक के पापों का वर्णन करता है। बकरियाँ, जिन्हें मसीह ने अपने पास से भेज दिया, वे हैं, जिन्होंने दूसरों को भूखा और प्यासा देखा, परन्तु भोजन और पानी नहीं दिया। ये वे लोग हैं, जिन्होंने दूसरों के लिए कपड़ों की आवश्यकता को देखा, जो बीमार थे या जो जेल में थे, परन्तु उन्हें पहनने के लिए कोई कपड़े या उन्हें विश्राम प्रदान करने के लिए कोई सहायता प्रदान नहीं की। ये चूक के पापों के सारे उदाहरण हैं। आवश्यकता में पड़े हुए लोगों के विरुद्ध कोई पाप नहीं किया गया था — वे उद्देश्य के साथ भूखे या कपड़ों से वंचित नहीं थे। परन्तु चूक का पाप तब किया गया जब वे जो उनके लिए उपलब्ध करा सकते थे, उन्होंने नहीं करना चुना।

अन्त में, प्रेरित पौलुस एक सारांश कथन को प्रदान करता है, जो बताता है कि हमें सही क्यों करना चाहिए और चूक के पापों से बचना चाहिए: "हम भले काम करने में साहस न छोड़ें, क्योंकि यदि हम ढीले न हों तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे" (गलातियों 6:9)। जब हम अपने स्वर्गीय पिता की इच्छा को पूरा करते हैं (मत्ती 12:50), हम चूक के पापों से बचते हैं और जीवन्त

उत्पाद करने वाले, फलदायी जीवन परमेश्वर से प्रसन्न होता है (रोमियों 12:1-2; यूहन्ना 15:1-11)।

स्रोत / Source: <https://www.gotquestions.org/Hindi/Hindi-sin-omission.html> | English: <https://www.gotquestions.org/sin-of-omission.html>

www.GotQuestions.org · <https://www.gotquestions.org/Hindi> · © Copyright
Got Questions Ministries · questions@gotquestions.org